संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

विद्याशाखा : मानवविज्ञान

(**Faculty: Humanities**)

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाङ्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

भाग-अ (Part A)

पाठयक्रम की निष्पत्ति (Pos) :

1) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम से छात्र अध्ययन की योजना बनाकर किसी अभिष्ट की सिद्धि प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
2) राष्ट्रभाषा हिंदी के अध्ययन से छात्रों में राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3) अनुवाद के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा को सामाजिक-सांस्कृतिक धरातल पर वैश्विकता की ओर ले जाने में सक्षम होंगे।
4) इस पाठयक्रम से छात्रों में भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन की चिकित्सक वृत्ति विकसित होगी।
5) समाज में राष्ट्रभाषा का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार होकर, शिक्षार्थी नवीनतम आयामों, तथ्य, विचार, मान्यता, मूल्यों के साथ आदर्श समाज का सुदृढ़ नागरिक बन सकेंगा।
6) इस पाठयक्रम के माध्यम से छात्र शिक्षा एवं समाज दोनों के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगा।
7) छात्र संस्कृति एवं सभ्यता की विशिष्टता, मौलिकता, करणीय एवं अकरणीय, कर्तव्य, जीवनादर्शों का ज्ञान प्राप्त कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा द्वारा समर्पित होकर कार्य कर सकेंगे।
8) छात्र अध्ययन द्वारा सहगामी क्रियाओं में भाग लेकर, विभिन्न अनुभवों को अर्जित कर उसकी अंतर्दृष्टि को प्रखर बनायेंगे।
9) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विभिन्न भाषाओं की नवीनतम जानकारी प्राप्त होगी।
10) छात्रों को भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका का निर्वहण करना संभव होगा।
11) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विश्व संस्कृति, विश्व बंधुत्व, एकता और समरसता स्थापित करने में सहयोग प्राप्त होगा।
12) छात्र अनुवाद से औपचारिकता और अनौपचारिकता से तकनीकी ज्ञान का उपयुक्त स्तर प्राप्त कर सकेंगे।
13) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम के आधार पर छात्र अनुसंधान की प्रक्रिया से नवीनतम् ज्ञान में वृद्धि एवं विकास कर सकेंगे।
14) राष्ट्रभाषा हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रिय भाषा मराठी का प्रचार-प्रसार करना भी इस पाठयक्रम का उद्देश्य है।

पाठयक्रम की विशिष्ट निष्पत्ति (PSOs) :

1) छात्र अनुवाद के आधारभूत सिद्धांतों को ग्रहण कर, अनुप्रयोग करना सीखेंगे।
2) अनुवाद प्रक्रिया से छात्र अनुसृजन करना सीखेंगे।
3) विषय पर आधारित परिसंवाद द्वारा भाषिक कौशलों का विकास होगा।
4) अनुवाद के माध्यम से छात्र औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण कर, समाज में सभी प्रकार के मूल्यों को स्थापित करने में सक्षम हो सकेंगे।

5) अनुवाद हिंदी के माध्यम से पाठयक्रम की गुणवत्ता के आधारपर छात्र आत्मचेतना जागृत कर भावनात्मक विकास से जीवनयापन करने में आत्मनिर्भर होंगे।

6) अनुवाद हिंदी के माध्यम से अनुवाद द्वारा विभिन्न नवीनतम तकनीकी साधन उपकरणों के उपयोग हेतु निष्णात बन सकेंगे।

7) अनुवाद हिंदी की गुणवत्ता के आधार पर छात्र बौद्धिक क्षमता के विकास को प्राप्त कर सकेंगे।

8) छात्र अनुवाद कार्य का दृढ़संकल्प कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

9) छात्र अनुवाद के माध्यम से विश्व ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में क्षेत्रीयवाद के संकुचित एवं सीमित दायरे से बाहर निकलकर मानवीय एवं भावनात्मक एकता के केन्द्रबिन्दु तक पहुँच सकेंगे।

10) छात्र स्त्रोत-भाषा में अभिव्यक्त विचार, रचना अथवा सूचना साहित्य को यथासंभव मूल भावना के समानान्तर बोध एवं संप्रेषण के धरातल पर लक्ष्य-भाषा में अभिव्यक्त करने में कुशलता प्राप्त करेंगे।

11) छात्रों में मूल रचना का उद्देश्य और भाव समझ पाने का गुण विकसित होगा।

पाठयक्रम की रोजगार विषयक संभावनाएँ :-

आज का युग स्पर्धा का युग है। इस स्पर्धात्मक युग में अपने अस्तित्व को बनाये रखने हेतु हमें अपने आपको अधुनातन ज्ञान से परिपूर्ण रखना चाहिए। ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से हम नित नये अविष्कारों की प्राप्ति करते हैं। ज्ञानार्जन के प्रभावी माध्यमों में से मुलभूत आधारों में एक है - अनुवाद। इस परिप्रेक्ष्य में संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती के हिंदी विभाग द्वारा अनुवाद हिंदी का पाठयक्रम चलाया जाता है। इस पाठयक्रम की विशेषताएँ कुछ इसप्रकार है -

01) केन्द्रीय सरकार की नौकरी प्राप्ति के अधिकतम अवसर प्राप्त होते हैं।

02) इसके माध्यम से अच्छे अनुवादक बनते हैं।

03) पाठयक्रम के द्वारा हिंदी साहित्य को पढ़कर, प्राध्यापक चयन के लिए सेट/नेट की परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं एवं प्राध्यापक के पद पर चयन हो सकता है।

04) नौकरी के साथ-साथ अनुवाद कार्य निजी रूप में कर सकते हैं।

05) स्वावलंबी बनने के सुअवसर प्राप्त होते हैं।

06) अनुवाद पाठयक्रम के द्वारा अनुवाद का तकनीकी ज्ञान सहज प्राप्त कर सकते हैं।

07) प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से आपको पत्रकारिता, रेडिओ, दूरदर्शन आदि क्षेत्र में सेवा करने का सुअवसर मिलने की प्रबल संभावनाएँ हैं।

08) अनुवाद के क्षेत्र में अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।

09) आकाशवाणी के क्षेत्र में हिंदी, मराठी तथा अंग्रेजी सामग्री के अनुवाद के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

10) वर्तमान स्पर्धा के युग में भी कंपनियों के विज्ञापन, हिंदी स्लोगन भाषा शैली के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।

11) विधि क्षेत्रों में न्यायिक सामग्री तथा प्रशासनिक सामग्री के अनुवाद अंतर्गत अनुवादक को रोजगार का शुभ अवसर मिल सकता है।

12) पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों के अंतर्गत अनुवादक की भूमिका को अहम माना जाता है, इसमें अनुवादक को रोजगार की कई तरह की सन्धियाँ मिलती हैं।

13) समाचारपत्र के क्षेत्र में तथा कार्यालय कार्य क्षेत्र के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार मिलकर उनका भविष्य उज्ज्वल होता है।

14) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद अंतर्गत सामाजिक एवं भौतिक दोनों प्रकार के विषय आते हैं। इनमें मनोविज्ञान, व्यवहार विज्ञान, अर्थशास्त्र और इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान आदि विषयों को अनुवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में अनुवादक को रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

15) साहित्यिक जगत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कई प्रकाशन संस्थाएं है, जो श्रेष्ठ पुस्तकों के अनुवाद के लिए अनुवादक की मांग करती है। साहित्य अकादमी दिल्ली, राज्य स्तर की साहित्य अकादमी तथा साहित्य परिषद भी श्रेष्ठ पुस्तकों का अनुवाद करवाती है। इसके साथ ही श्रेष्ठ अनूदित कृति को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा पुरस्कार भी दिए जाते हैं। यहां पर अनुवाद तक की रोजगार की काफी संभावना है।

16) मौखिक अनुवाद में दुभाषिएं के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में बहुभाषा-भाषी के माध्यम से अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।

17) फिल्मों की डबिंग, साहित्य से फिल्म बनाना, साहित्य से नाट्य रूपांतर करना आदि माध्यमों से भी अनुवादक को रोजगार का अवसर प्राप्त होता है।

18) छात्र विभिन्न शैक्षिक संस्थान, प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षक, हिंदी प्रशिक्षक, प्राध्यापक आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

19) छात्र देश-विदेश में ट्रैवल एजेंट या टूरिस्ट गाइड के क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

20) छात्र राजभाषा अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

21) इस यंत्र युग में छात्र ब्लॉग लेखन, तकनीकी लेखन एवं ऑफलाईन-ऑनलाइन लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।

22) छात्र कवि, लेखक, कथाकार, नाटककार, साहित्यकार आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है।

23) छात्र रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है ।

24) छात्र पटकथा लेखक,संवाद लेखन, गीत लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

25) छात्र मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार लेखक, स्तंभ लेखक, संपादकीय, अतिथि संपादक, प्रूफ रीडर, विशेष विधा लेखन, वार्ता लेखन आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

26) छात्र भाषण लेखन तथा हिंदी अनुवादक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।

27) छात्र निजी एवं सरकारी कार्यालयों में हिंदी अनुवाद के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है।

28) छात्र शिक्षा के क्षेत्र में अनुवादक को अनुवाद का शुभ अवसर प्राप्त होता है।

अत: उपरोक्त विशेषताओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि एम.ए.(अनुवाद हिंदी) पाठ्यक्रम बहुआयामी प्रतिभाओं के विकास में पूर्णत: सक्षम सिद्ध होता है। यु.जी.सी. के निर्देशानुसार एम.ए.(अनुवाद हिंदी) के अभिनव पाठ्यक्रम में प्रयोजनमूलक हिंदी के साथ-साथ अनुवाद का भी समावेश है, साथ ही हिंदी साहित्य के विशेष प्रश्नपत्रों को भी सेट/नेट के अभ्यासक्रमानुरूप स्थान दिया गया है; जैसे हिंदी साहित्य का इतिहास। इसी के साथ अनेक रोजगारोन्मुख वैकल्पिक प्रश्नपत्र प्रथमत: संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम में समाविष्ट किये हैं। चतुर्थ प्रश्नपत्र के अंतर्गत प्रयोजनमूलक हिंदी साथ ही भाषा शिक्षण का प्रश्नपत्र भी है, जिससे भाषा शिक्षण की पद्धति का सैद्धांतिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर,अध्यापन के सिद्धांतों का ज्ञान छात्र अर्जित कर सकते है एवं अध्यापकीय कौशल को प्राप्त कर सकते है। उसीप्रकार प्रयोजनमूलक हिंदी के द्वारा दूरसंचार, विदेश, बैंक, बीमा कंपनी तथा विविध केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी,अनुवादकों का प्रतिष्ठापूर्ण पद प्राप्त किया जाना संभव है। फिल्म, पत्रकारिता, रेडिओ एवं दूरदर्शन के क्षेत्रों में भी छात्र प्रविष्ट होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

इसीप्रकार एम.ए.भाग-2 में अनुवाद के ऐतिहासिक संदर्भ के साथ ही साथ अनुवाद व्यवहार एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में तृतीय प्रश्नपत्र में कोशविज्ञान एवं राजभाषा प्रशिक्षण तथा हिंदी साहित्य रखा गया है, जिनसे छात्र कोश निर्माता, अनुवादक, राजभाषा अधिकारी एवं हिंदी-शिक्षक की नियुक्ति अनुवादक के रूप में प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साथ अनुवाद एवं साहित्य तथा भाषा में संशोधन कार्य भी किया जा सकता है। यह स्वयं सिद्ध मत है कि महाराष्ट्र में सिर्फ संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती में ही यह एम.ए.(अनुवाद हिंदी)का पाठ्यक्रम है, जो अपने आप में रोजगार प्रदान करने में एक नवीनतम दिशा प्रदान करनेवाला है। यहाँ अंग्रेजी और मराठी से हिंदी अनुवाद का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अनेक विद्वतजनों के संभाषण एवं राष्ट्रीय सेमिनार तथा शिक्षा,अनुसंधान, विकास व विस्तार तथा अन्य सामाजिक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न होते हैं, जो कला संकाय के छात्रों के लिए रोजगार प्राप्ति का स्वर्णिम अवसर उपलब्ध करता है। शिष्यवृति के अतिरिक्त केंद्र सरकार की हिंदीतर भाषी शिष्यवृत्ति भी विद्यार्थियों को दी जाती है। विभाग में अनुसंधान कार्य होता है।

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

(Faculty: Humanities)

Session : 2023-24

भाग- ब (Part- B)

वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) पाठयक्रम: एम.ए. अनुवाद हिंदी (एनईपी)

प्रथम सत्र (Semester-I)

Sr. No.	Subject	Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Credits
1	RM and IPR	TH11	अनुसंधान प्रविधि और बौद्धिक संपदा अधिकार **(Research Methodology and Intellectual Property Right)**	60 तासिकाएँ	4
2	DSC-I.1	TH12	अनुवाद विज्ञान	60 तासिकाएँ	4
3	DSC-II.1	TH13	स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा	60 तासिकाएँ	4
4	DSC-III.1	TH14	हिंदी भाषा तथा साहित्य का स्वरूप एवं विकास	60 तासिकाएँ	4
5	DSE-I.A	TH15	प्रयोजनमूलक हिंदी	60 तासिकाएँ	4
	DSE-I.B	TH16	भाषा शिक्षण		
6	DSC-I.1 Tutorial	TH17	साहित्यिक क्षेत्र का अनुवाद	30 तासिकाएँ	2
7	On job Traning,Apprenticeship,Field Projects	TH18	पाठयक्रम से संबंधित सेवाधीन प्रशिक्षण सेवानुभव क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प)	120 तासिकाएँ	----
					22

Note :- Choose any one from DSE I & DSE II paper/course.

सूचना-

1. DSC अनिवार्य रहेंगे।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र हैं।
3. DSC-I.1Tutorial प्रथम सत्र के लिए रहेंगा जिसमें छात्र पाठ्यक्रमानुसार अनुवाद कार्य पूर्ण करेंगें।
4. छात्र को सत्र I और II के अवकाश के काल में कूल 120 तासिकाएँ पाठ्यक्रम से संबंधित सेवाधीन प्रशिक्षण सेवानुभव क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प) पूर्ण करना अनिवार्य होगा। यह कार्य पूर्ण होनेपर ही 4 श्रेयांक मिलेंगे।

1) **प्रश्नपत्र (TH11)**

अनुसंधान पद्धति और बौद्धिक संपदा अधिकार

(Research Methodology and Intellectual Property Right)

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

शोध-प्रस्तावना :-

मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण मानव प्रगति में अनुसंधान का सर्वाधिक महत्व रहा है। मानव के समक्ष प्रकृति और समय निरंतर चुनौतियां प्रस्तुत करते रहे हैं, उन्हें दूर करने के लिए मानव तर्क एवं प्रयोग के द्वारा अनुसंधान कर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है।

अनुसंधान वह क्रमबद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग द्वारा वर्तमान ज्ञान का परिमार्जन, विकास अथवा किसी नए तथ्य की खोज द्वारा ज्ञानकोश में वृद्धि की जाती है। वेस्टर के अंतरराष्ट्रीय शब्दकोश के अनुसार "अनुसंधान केवल सत्य के लिए खोजमात्र नहीं है अपितु यह दीर्घकालीन सघन और सादृश्य संधान है।"

शोध-प्रक्रिया में शोधकर्ता किसी तथ्य को बार-बार देखता है और उसके आधार पर निष्कर्ष निकालता है। शोध-कार्य द्वारा चरों का सहसंबंध ज्ञात किया जाता है। प्रयोगात्मक शोध से कारण-प्रभाव, सहसंबंध तथा सर्वेक्षण शोध-कार्य द्वारा सामान्य सहसंबंध ज्ञात किया जाता है।विकासात्मक शोध-कार्य में चरों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाता है। ऐतिहासिक शोधकार्यों में नवीन तथ्यों की खोज की जाती है।

अनुसंधान की प्रक्रिया वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ व्यवस्थित तथा सुनियोजित होती है।इस प्रक्रिया से नवीन ज्ञान की वृद्धि एवं विकास किया जाता है। इस कार्य में गुणात्मक तथा परिणामात्मक प्रदत्तों की व्यवस्था की जाती है और उनका विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। शोध-कार्य का आलेख शोध-प्रबंध सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। प्रत्येक शोध-कार्य की अपनी विधि एवं प्रविधियां होती हैं,जो शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती है।इस प्रक्रिया में प्रदत्तों के आधार पर परिकल्पनाओं की पुष्टि की जाती है। इससे व्यक्तिगत पक्षों, भावनाओं तथा विचारों को महत्व दिया जाता है।

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) अनुसंधान का अर्थ,स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट होगा।
2) अनुसंधान की विभिन्न पद्धति एवं अनुसंधान की समस्याओं के अनुसार विशेष पद्धति का विनियोजन कर सकेंगे।
3) अनुसंधान पद्धति का आकलन करने से शोध में अभिरुचि एवं गतिशीलता प्राप्त होगी।
4) आसपास एवं प्राप्त जानकारी की ओर चिकित्सक, विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
5) अनुसंधान कार्य में नवीन तथ्यों को खोज कर, नए ज्ञान की प्राप्ति होगी।
6) उपलब्ध संसाधनों से सत्य की खोज होगी तथा छिपा हुआ सत्य ज्ञात होंगा।
7) पीएच्.डी. के लिए और शोध प्रकल्प प्रदान करनेवाली संस्थाओं के प्रकल्प के लिए ज्ञान का लाभ होगा।
8) समस्याओं का निराकरण होगा।

Unit **इकाई**	**Syllabus** **प्रश्नपत्र के घटक (Components of the question paper)**	**Total Periods** **कुल तासिकाएँ**
इकाई 1	❖ शोध: परिचय (Research: Introduction) : ○ शोध: व्युत्पत्ति (Research: Derivation) ○ अर्थ, परिभाषा, स्वरूप (Meaning, Definition,Nature) ○ क्षेत्र (Area) विशेषताएं, सीमाएं,नियम (Characteristics, Limitations, Regimen) ○ अनुसंधानकर्ता के गुण (Researcher's Qualities)	12 तासिकाएँ

इकाई 2	❖ शोध पध्दति एवं प्रकार (Research Methodology and Types) :- ○ परिमाणात्मक पद्धति(Quantitative Method) ○ गुणात्मक पद्धति(Qualitative Method) ○ शोध प्रकार (Research Type)	12 तासिकाएँ
इकाई 3	❖ अनुसंधान प्रक्रिया के चरण (Steps of Research Process) :- ○ समस्या चयन (Problem Selection) ○ परिकल्पना का प्रतिपादन (Rendering of Hypothesis) ○ शोध रुपरेखा (Research Design) ○ आंकडों/डाटा का संकलन (Data Collection) ○ प्रदत्तों का विश्लेषण (Data Analysis) ○ सामान्यीकरण तथा निष्कर्षों का प्रतिपादन (Popularization And Rendering of Conclusion)	12 तासिकाएँ
इकाई 4	❖ अनुसंधान विधियाँ (Research Methods) : ○ ऐतिहासिक अनुसंधान (Historical Research) ○ वर्णनात्मक अनुसंधान (Descriptive Research) ○ प्रयोगात्मक अनुसंधान (Experimental Research) ○ क्रियात्मक अनुसंधान (Actionable Research) ○ अन्तर अनुशासनात्मक अनुसंधान (Inter-Disciplinary Research)	12 तासिकाएँ
इकाई 5	**बौद्धिक संपदा अधिकार** (Intellectual Property Rights) ○ बौद्धिक संपदा: संकल्पना, परिचय (Intellectual Property: Concept, Introduction) ○ बौद्धिक संपदा अधिकार: स्वरूप और प्रकार (Intellectual Property Right: Nature and categories) ○ बौद्धिक संपदा अधिकार और भारत (Intellectual Property Right and India) ○ कॉपीराइट और कॉपीराइट संबंधित अधिकार (Copyright and rights regarding Copyright) अनुसंधान के साधन (Resource of Research) ○ संदर्भ ग्रंथ, समीक्षा ग्रंथ (Reference Books & Review Books) ○ पत्र-पत्रिकाएं Scholarly Publications (Journals) ○ समाचार,साप्ताहिक, पत्र-पत्रिकाएं Popular Sources (News, Weekly and Magazines) ○ सरकारी संस्थागत दस्तावेज (Government Institutional Documents) ○ शोध-प्रबंध और लघुप्रबंध (Theses & Dissertations) ○ ई-स्रोत,कोश (E- Resource, Encyclopedia, Britannica, American)	12 तासिकाएँ
	शोध-प्रबंध समाहार (Dissertation Collection) ○ उद्धरण (Quotation) ○ पाद-टिप्पणी (Foot notes) ○ संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography) ○ संगणक अनुप्रयोग (Computer application) ○ ई-साधन एवं तत्संबंधी तारतम्य (E-Tools and its Coordination)	12 तासिकाएँ

अंक विभाजन :-

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक
....
कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन :-

❖ प्रायोगिक कार्य (Practical work) :-

1) सेमिनार (Seminar)	10 अंक
2) साक्षात्कार (Interview)	10 अंक
3) शोध- रूपरेखा (Research Design)	10 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप :-

समय : 3 घंटे   पूर्णांक :70

सूचना –

1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से <u>तीन</u> प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) <u>पांच</u> इकाईयों से कुल **8** लघूतरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से <u>पांच</u> प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

अंक विभाजन

(1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x**12**	= 3**6**
(2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4	=20
(3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**14**x1	= **14**
			70 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1. शोध - प्रविधि - शर्मा विनय मोहन, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
2. शोध - प्रविधि - कैलास पुस्तक सदन, भोपाल
3. शोध - प्रविधि - सिंह पंकज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011
4. सामजिक अनुसंधान - आहुजा राम, रावत पब्लिकेशन, जयपुर 2009
5. शोध - प्रविधि - वर्मा हरिश्चंद्र, सरस्वती प्रकाशन, 2010
6. शोध - पद्धतियाँ - फडिया बी. एल, साहित्य भवन, पब्लिकेशन, 2011
7. व्यावहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियां- मंगल एस. के., मंगल शुभा, लोकप्रभा प्रकाशन, कानपुर 2013
8. शोध - प्रविधि - खत्री हरीशकुमार, कैलास पुस्तक सदन, भोपाल, 2015
9. शोध - पद्धतियाँ - फडिया बी.एल., साहित्य भवन, पब्लिकेशन, जयपुर 2012
10. व्यावसायिक संशोधन पद्धति - डोके अजिनाथ मारुती, निराली पब्लिकेशन, नागपुर, 2014
11. राजनीति-विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि - शर्मा एस.एल., जयपुर Free Hindi Book.com
12. शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र - टौडियाल सच्चीदानंद एवं फाटक अरविंद, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 2011
13. शोध- प्रभा - प्रसाद राजेन्द्र जन्मशताब्दि - स्मृत्यडंक, त्रैमासिक शोध पत्रिका, यशोमति प्रकाशन, भोपाल, 2016
14. Intellectual Property Rights in India, V.K. Ahuja, Volume 1& Volume 2.
15. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश - खंड 6, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकत्ता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
16. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश - खंड 7, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकत्ता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
17. कॉपीराइट, जैन कमलेश, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली, 2008
18. मराठी विश्वकोश, "बौद्धिक संपदा" (Intellectual Property) शैला देसाई - (30/12/2022)

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र -2

DSC- I.1

अनुवाद विज्ञान

विषय सांकेतांक - TH12

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र अनुवाद शब्द का अर्थ, व्युत्पत्ति एवं अनुवाद की संकल्पनाओं को आत्मसात करेंगे।
2. छात्र 'अनुवाद' शब्द से चिर-परिचित होंगे।
3. छात्र में अनुवाद को एक मिश्रित विधा के रूप उपयोजित करने का कौशल विकसित होगा।
4. छात्र अनुवाद के साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों का वर्गीकरण कर विश्लेषण करना सीखेंगे।
5. छात्र स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा की शैलीगत सांस्कृतिक शब्दों की अनुवाद सीमाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. छात्र विषय सामग्री का अनुवाद, अनुवाद के सिध्दांत एवं प्रारूप के आधार पर अंतरण तथा विश्लेषण कर, अन्य भाषा में पुनर्गठन कर सकेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	अनुवाद परिभाषा, अर्थ,स्वरुप, महत्व, क्षेत्र तथा सीमाएँ	12 तासिकाएँ
इकाई 2	स्वरुप - अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प	12 तासिकाएँ
इकाई 3	अनुवाद के क्षेत्र – कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, सहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम,विज्ञापन, आदि, महत्व- ज्ञान तथा सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, विश्व मैत्री का साधन, सांस्कृतिक सेतु, शिक्षण - मातृभाषा के माध्यम से, व्यावसायिक महत्व	12 तासिकाएँ
इकाई 4	सीमाएँ - शैलीगत--सांस्कृतिक शब्द, अननुवाद्‌यता	12 तासिकाएँ
इकाई 5	अनुवाद प्रक्रिया एवं प्रविधि – विश्लेषण, अंतरण तथा पुनर्गठन अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण- (1) पाठक की भूमिका में स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया. (2) द्‌विभाषिक की भूमिका में स्त्रोत भाषा और लक्ष्यभाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया (3) रचयिता की भूमिका में पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया - अनुवाद प्रक्रिया पर नाईडा और न्यूमार्क के प्रारुप, अनुवाद की इकाई- शब्द, पदबंध, वाक्य पाठ, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिध्दांत	12 तासिकाएँ

सूचना – 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना

अनिवार्य होगा।

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

अंक विभाजन :-

(1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x1**2**	= 3**6**
(2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4	= 20
(3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**14**x1	= **14**
			70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन :-

4) विभिन्न क्षेत्रों में शब्दों का प्रयुक्तिपरक अर्थ।	**10** अंक
5) अनुवाद शैली के आधार पर विभिन्न वाक्य प्रयोग।	**10** अंक
6) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	--------------
	30 अंक
	कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.1998
2) हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद- रस्तोगी आलोक कुमार - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6, 2001
3) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान- सराफ मनोहर, गोस्वामी,शिवाकरण विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर,कानपूर, 2002
4) अनुवाद विज्ञान - तिवारी भोलानाथ - शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली, 1997
5) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - विश्‍वनाथ एन.ई., अमरज्ञान गंगा प्रकाशन, चावडी बाजार, दिल्ली, 2004
6) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - गुप्त अवधेश मोहन, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 2007
7) अनुवाद प्रक्रिया - पालीवाल रीतारानी - साहित्य प्रकाशन, विश्‍वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32, 2000
8) अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण - हरिमोहन - तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली-2, 1999
9) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप -मनोहर तथा गोस्वामी शिवाकान्त, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6, 2002
10) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- गोपीनाथ जी. - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1, 2008
11) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्‍वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2001
12) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा -सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2010
13) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, गोस्वामी कृष्णकुमार, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32, 2016
14) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ संकेत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2003
15) काव्यानुवाद की समस्याएँ एवं साहित्य का अनुवाद - तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र - शब्दाकार दिल्ली- 32, 2011
16) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ, गोस्वामी कृष्णकुमार, गुलाटी अजीतलाल आलेख प्रकाशन दिल्ली-32, 2017
17) राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएँ - बुधोलिया हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली - 110002, 2008
18) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ-शब्दकार प्रकाशन दिल्ली-12, 2003

19) बैंको में अनुवाद प्रविधि - पादन सीता कुचिंत - भारतीय अनुवाद परिषद नई दिल्ली-1,2004

20) पारिभाषिक शब्दावली कुछ समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ - महेन्द्र चतुर्वेदी शब्दकार-दिल्ली-12, 1996

21) अनुवाद क्या है - राजूरकर भ.ह., राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2005

22) अनुवाद विज्ञान, सिध्दांत और अनुप्रयोग - नगेंद्र, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली -1, 2007

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाङ्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - 3

DSC- II.1

स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा

विषय सांकेतांक - TH13

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. भाषा व्यवस्था और उसके विभिन्न स्तरों का ज्ञान प्राप्त होकर, अनुवाद और भाषा विज्ञान के अंतर्गत तुलनात्मक, अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
2. अनुवाद के विशेष संदर्भ में स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के तुलनात्मक अध्ययन के अंतर्गत छात्र ध्वनि व्यवस्था से परिचित होने के उपरांत शब्दों का वर्गीकरण जो इतिहास, अर्थ, रचना, प्रयोग, निर्माण के आधार पर किया गया है, उसे समझने और उचित प्रयोग करने में निष्णात होंगे।
3. अंग्रेजी में व्युत्पादन प्रक्रिया व्याकरणिक आधार पर समझने के उपरांत छात्र अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं की व्याकरणिक संरचना को अनुवाद के दृष्टिकोण से भलिभाँति समझने लगेंगे।
4. अंग्रेजी-हिन्दी वाक्य का संरचनात्मक अध्ययन, वाक्य-विन्यास तथा वाक्य रचना संबंधित विविध रूपों को समझकर, उनका चयन कर, प्रयोग किसप्रकार करें इसमें छात्र परिपूर्ण होंगे।
5. छात्र हिंदी और अंग्रेजी की वाक्य संरचना का उचित व्याकरणिक आधार पर, प्रयोग करने में तथा निर्माण करने प्रवीण होंगे। साथ ही अंग्रेजी और हिंदी वाक्यों के स्वरूप की तुलना करने में भी छात्र कुशल होंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	भाषा व्यवस्था और उसके विभिन्न स्तर : प्रतीक व्यवस्था और सामाजिक संस्था के रुप में भाषा, भाषा की संरचनात्मक व्यवस्था, व्यवस्था के विभिन्न स्तर , भाषा का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ, रिश्ते नाते की शब्दावली, अनुवाद और भाषा विज्ञान : तुलनात्मक, अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान	12 तासिकाएँ
इकाई 2	स्त्रोत और लक्ष्य भाषा का तुलनात्मक अध्ययन- अनुवाद के विशेष संदर्भ में अ-ध्वनि व्यवस्था : लिप्यंकन और लिप्यंतरण के विशेष संदर्भ में ब- शब्द विज्ञान : शब्दों का वर्गीकरण – इतिहास के आधार पर – तत्सम् , तद्भव, देशज, विदेशी, अर्थ के आधार पर –एकार्थी शब्द, अनेकार्थी शब्द, समरुपी शब्द, पर्यायवाची शब्द, रचना के आधार पर- रुढ, यौगिक, योगरुढ, प्रयोग के आधार पर - सामान्य, पारिभाषिक, अर्धपारिभाषिक निर्माण के आधार पर - संकर शब्द	12 तासिकाएँ
	अंग्रेजी में व्युत्पादन प्रक्रिया (Formation of Words) 1) Compound words - Formed as Noun - Formed as Adjective	

इकाई 3	- Formed as Verbs 2) अंग्रेजी के Derivatives 1) Primary Derivatives 2) Secondary Derivatives Primary Derivatives - Formation of Nouns - Formation of Adjective - Formation of verbs Secondary Derivatives - English Prefixes Prefixes (उपसर्ग)Latin, Greek Prefixes English Suffixes (प्रत्यय) - of Noun, of Adjective, of Verbs, of Adverbs Latin Suffixes - of Noun, of Adjective, of Verbs Greek Suffixes, other Language Suffixes (French)	12 तासिकाएँ
इकाई 4	हिन्दी अंग्रेजी के कुछ विशिष्ट शब्द : वर्णनात्मक, अवधारणात्मक, अनुकरणमूलक, रणनमूलक, पुनरुक्त और प्रति ध्वन्यात्मक अंग्रेजी – हिन्दी वाक्य का संरचनात्मक अध्ययन अंग्रेजी – हिन्दी वाक्य का विन्यास अंग्रेजी – हिन्दी वाक्य रचना के विविध रुप अंग्रेजी – हिन्दी में पूर्व सर्ग तथा परसर्गो की स्थिति, 'IT' सर्वनाम का प्रयोग 'होना' क्रिया का प्रयोग, द्विकर्मक क्रियाएँ – कर्म की स्थिति A, An, The उपपद (Article) के प्रयोग की स्थिति कर्ता, क्रिया और कर्म, क्रिया की आन्विति	12 तासिकाएँ
इकाई 5	वाक्य संरचना (i) आदेशात्मक वाक्य, उद्गार वाचक वाक्य प्रश्न और प्रश्नात्मक (introgative) दोनों भाषाओं के प्रश्नात्मक वाक्यों के स्वरुप की तुलना, सकारात्मक (Affirmative) और नकारात्मक (Negative) वाक्य दोनों भाषाओं के नकारात्मक वाक्यो के स्वरुप की तुलना, अंग्रेजी की सकारात्मक रुपावली पर नकारात्मक अर्थ देनेवाली अभिव्यक्तियाँ, वाक्य संरचना (ii) अंग्रेजी और हिन्दी के संयुक्त और मिश्र वाक्य की संरचना समानाधीकरण उपवाक्य, आश्रित उपवाक्यों का वर्गीकरण, साधारण वाक्य का मिश्र वाक्य में और मिश्र वाक्य का साधारण वाक्य में रुपान्तरण	12 तासिकाएँ

सूचना – 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पाचों इकाई से कुल 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन :-

(1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x1**2**	= 3**6**
(2)	लघूतरी प्रश्न	5x4	= 20
(3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**14**x1	= **14**
			70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन :-

4) प्रायोगिक कार्य (अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी, हिन्दी से अंग्रेजी)	**10** अंक
5) प्रायोगिक कार्य - व्याकरणिक कोटियाँ	**10** अंक
6) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	30 अंक

कुल अंक - 100

संदर्भग्रंथ :-

1) अनुवाद विज्ञान - तिवारी भोलानाथ, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2011

2) भाषा विज्ञान - तिवारी भोलानाथ, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2014

3) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - बुंदेले शंकर

4) भाषा विज्ञान - बोरा सं.राजमल, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली-1, 2015

5) High school English grammer - Wren and martin, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली-1, 2013

6) शब्द ATR 01 BOOK 2, 3 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

7) हिन्दी भाषा - तिवारी भोलानाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली-1, 2017

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - **4**

DSC- III.1

हिंदी भाषा तथा साहित्य का स्वरूप एवं विकास

विषय सांकेतांक - TH14

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास से परिचित होंगे ।
2. छात्र हिंदी भाषा, व्याकरण, शब्द भंडार आदि का प्रयोग दैनंदिन व्यवहार में लायेंगे।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा को जान सकेंगे तथा काल विभाजन एवं काल खण्डों के नामकरण जानेगे।
4. आदिकालीन विविध साहित्य पंरपरा अर्थात सिद्ध, जैन, नाथ एवं लोक साहित्य इनकी विशेषताओं को समझ कर मूल्यांकन करेंगे।
5. मध्ययुगीन काव्य की विशेषताओं से परिचित होगे तथा व्याख्यात्मक लेखन करेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - हिंदी भाषा – खडी बोली का विकास, खडी बोली के विभिन्न रुप, उर्दू , रेख्ता, रेक्ती, हिंदुस्तानी, दक्खिनी, हिन्दुई, हिंदी-हिन्दी शब्द का अर्थ, विकास अथवा इतिहास	12 तासिकाएँ
इकाई 2	आदिकाल – ध्वनि, व्याकरण,शब्द भंडार, साहित्य में प्रयोग, मध्यकाल-ध्वनि, व्याकरण, शब्द भंडार, साहित्य में प्रयोग, आधुनिक काल-ध्वनि, व्याकरण शब्द भंडार, साहित्य में प्रयोग	12 तासिकाएँ
इकाई 3	हिंदी साहित्य का इतिहास - 1) साहित्येतिहास दर्शन : सामान्य परिचय 2) हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण	12 तासिकाएँ
इकाई 4	आदिकाल: प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि : अपभ्रंश की प्रमुख साहित्यिक धाराएँ, बौध्द-सिध्द- नाथ, जैन तथा रासो साहित्य, लोक काव्य	12 तासिकाएँ
इकाई 5	मध्ययुगीन काव्य - 1) कबीर - संपादक : हजारीप्रसाद द्विवेदी (पद क्र.55 से 80 तक) कुल -26 2) सूरदास - भ्रमरगीत सार- संपादक- आ.रामचंद्र शुक्ल (पद क्र.1-30तक) 3) तुलसीदास - रामचरित मानस, प्रकाशक गीताप्रेस, गोरखपुर (किष्किन्धा कांड 1-30 दोहे एवं चौपाइया)	12 तासिकाएँ

सूचना: 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पाचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना

अनिवार्य होगा.

3) पाँचवी इकाई से कुल 3 व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्या करना अनिवार्य होगा

4) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन (प्रथम सत्र)

1)	दीर्घोत्तरी प्रश्न	2x10 =20
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 =20
3)	व्याख्याएँ	2x**8** =1**6**
4)	वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	**14**x1 =**14**

		कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन

(5)	सेमिनार	1**0** अंक
(6)	अलंकार विवेचन	1**0** अंक
(**7**)	विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
		-----------------
		30 अंक
		कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) कबीर संपादक:- द्विवेदी हजारी प्रसाद (राजकमल प्रकाशन - नई दिल्ली) कुल 25 पद निकालकर उनके स्थान पर पद क्र.35, 175,177,179,191,199, 202, 209, 214,217,218, 220, 221, 224,227,229,232,234,236, का अध्यापन किया जाए।

2) सूरदास:- भ्रमरगीत सार (पद क्रमांक 1-30 तक) - संपादक: शुक्ल रामचंद्र, कमल प्रकाशन, इलाहबाद, 2005

3) तुलसीदास-रामचरित मानस(किष्किन्धा कांड 1-30 दोहे एवं चौपाइयां),प्रकाशन- गीताप्रेस, गोरखपूर

4) हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी किताब महल, 22 ए, सरोजिनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2000

5) हिंदी साहित्य का इतिहास - नगेंद्र, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2009

6) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गुप्त गणपती चंद्र, सरस्वती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - शुक्ल रामचंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010

8) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- सिंह बच्चन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - 5

DSE-I.A

प्रयोजनमूलक हिंदी

विषय सांकेतांक - TH15

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. कार्यालयीन हिंदी के विभिन्न रूपों के ज्ञान प्राप्ति के साथ राजभाषा हिंदी के प्रमुख प्रकार्य के विषय में भी छात्र सोदाहरण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली, निर्माण, स्वरूप तथा महत्व जानने के उपरांत छात्रों की प्रयोग विधि संबंधित अवधारणा सुदृढ़ होगी।
3. कंप्यूटर का परिचय, रुपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्रनिहाय जानकारी के साथ इंटरनेट से संबंधित संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक ज्ञान के माध्यम से छात्र संपर्क जानकारी का प्रचार-प्रसार कर, विश्लेषित करने में समर्थ होंगे।
4. छात्र इंटरनेट के पोर्टल का चयन कर, डाऊनलोडिंग, अपलोडिंग, ई.मेल भेजना, प्राप्त करना, इसके साथ हिन्दी सॉप्टवेअरों के प्रयोग से संबंधित ज्ञान निश्चितता तथा निर्धारितता आयेगी।
5. पत्रकारिता का स्वरुप तथा विभिन्न प्रकारों को जानने के उपरांत छात्र समाचार लेखन-कला, संपादन तथा व्यावहारिक प्रूफ शोधन कार्य करने में निष्णात होगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	कामकाजी हिन्दी - हिन्दी के विभिन्न रुप- सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा,माध्यम भाषा, मातृभाषा. कार्यालयीन हिन्दी- (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारुपण, पत्र, लेखन, संक्षेपण, पल्लवन एवं टिप्पण	12 तासिकाएँ
इकाई 2	पारिभाषिक शब्दावली - स्वरुप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिध्दांत --ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)	12 तासिकाएँ
इकाई 3	हिन्दी कम्प्यूटिंग - कंप्यूटर - परिचय, रुपरेखा, उपयोग, तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय इंटरनेट - संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र - वेव पब्लिशिंग	12 तासिकाएँ
इकाई 4	इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप - लिंक ब्राऊजिंग, ई.मेल भेजना, प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊनलोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉप्टवेअर, पॅकेज	12 तासिकाएँ
इकाई 5	पत्रकारिता - स्वरुप एवं विभिन्न प्रकार -हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास - समाचार लेखन-कला - संपादन के आधारभूत तत्व	12 तासिकाएँ

	- व्यावहारिक प्रूफ शोधन	

सूचना - 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन (प्रथम सत्र)

1) आलोचनात्मक प्रश्न 3x12 = 36

2) लघूत्तरी प्रश्न 5x4 = 20

3) वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 14x1 =14

कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन

1) वृत्तांत लेखन 10 अंक

2) सुप्रसिद्ध मीडिया क्षेत्र की जानकारी 10 अंक

3) विभागीय जाँच परीक्षा 10 अंक

----

30 अंक

कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010

2) प्रयोजनमूलक भाषा - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008

3) प्रयोजनमूलक भाषा -गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013

4) प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011

5) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता - गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015

6) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली

7) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017

8) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- बुंदेले शंकर, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाङ्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र - 5

DSE-I.B

भाषा शिक्षण

विषय सांकेतांक - TH16

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. भाषा- शिक्षण के उद्देश्य और स्वरूप का अध्ययन कर, उसके सिद्धांत को समझ सकेंगे।
2. भाषा- शिक्षण में उपयोगी साधन-सामग्री का अध्ययन कर, शिक्षक के रूप में उसका अनुप्रयोग कर सकेंगे।
3. भाषा- शिक्षण की अनेक विधियों का अध्ययन कर, उन विधियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. भाषा- शिक्षण इस विषय में शिक्षक बनने की कितनी संभावना है, इसका मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. भाषा- शिक्षण के सिद्धांत, विधियाँ और कौशल का अध्ययन कर, स्वयं का रचनात्मक कार्य करने में निष्णात हो सकेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	भाषा-शिक्षण - उद्देश और स्वरुप भाषा-शिक्षण के सिध्दांत - उद्दीपन- अनुक्रिया पुनर्बलन सिध्दांत, माध्यमीकरण, अंतर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास	12 तासिकाएँ
इकाई 2	भाषा-शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार - मातृभाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहाय्यक भाषा, संपूरक भाषा मातृभाषा-शिक्षण और अन्य भाषा-शिक्षण में अंतर. द्वितीय भाषा-शिक्षण और विदेशी भाषा-शिक्षण.	12 तासिकाएँ
इकाई 3	भाषा-शिक्षण की विधियां - व्याकरण अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण-भाषण विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, संप्रेषणात्मक विधि	12 तासिकाएँ
इकाई 4	भाषा कौशल और उनका विकास - श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरुप और उनमें योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान	12 तासिकाएँ
इकाई 5	भाषा-शिक्षण में उपयोगी साधन-सामग्री - औपचारिक भाषा- शिक्षण, नक्शे,चार्ट, चित्र, भाषा-प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा-शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि.	12 तासिकाएँ

सूचना - 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन (प्रथम सत्र)

1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x12 = 36
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 = 20
3)	वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	14x1 = 14

		कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन -

4)	प्रायोगिक कार्य (हिंदी पाठ-योजना) (पाँच पाठ-योजनाएं अनिवार्य है)	10 अंक
5)	हिंदी भाषा के उध्दरण (Quatation)	10 अंक
6)	विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
		-----------
		30 अंक
		कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) भाषा 1, 2 की शिक्षण विधियां और पाठ नियोजन - शर्मा लक्ष्मीनारायण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-2, 2009
2) हिन्दी की अध्यापन पध्दति - केणी सं.रा, कुलकर्णी ह.कृ.., व्हीनस प्रकाशन, 'तपश्चर्या' 381 क्र. शनिवार, पुणे-30, 2007
3) शैक्षिक मूल्यांकन- वर्मा एम. पाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-2, अमन प्रकाशन, दिल्ली, 2010
4) सफल शिक्षण कला-पाठक एवं त्यागी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा-2, ज्ञानोदय प्रकाशन, आगरा,2015
5) भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ - पाठक पी.डी., विनोद पुस्तक मंदिर आग्रा-2, 2006
6) तुलनात्मक अध्ययन -स्वरुप और समस्याएँ- सं.भ.ह.राजूरकर, राजमल बोरा वाणि प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2011
7) शिक्षा-मनोविज्ञान- भटकर सुरेश, मेरठ पब्लिशिंग हाऊस, बेगम ब्रिाज रोड, निकट गवर्नमेंट कॉलेज मेरठ-1, 2015
8) हिंदी विषय ज्ञान - पठान सौ.नसीमा, काळे सुभद्रादेवी अर्जुनराव 144-ए, सोनमार्ग आसरा हॉसिंग सोसायटी, सोलापूर-3, 2013
9) हिंदी भाषा शिक्षण- जीत भाई योगेद्र, विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेय राघव रोड, आगरा-2, 2009
10) शिक्षण अधिगम के मूल तत्व- यादव जयंत, एस.ओबेराय प्रकाशन, सुखपाल गुप्त, आर्य बुक डेपो, 30 नाईवाला, करोलबाग, नई दिल्ली-5, 2016
11) Principles of Education- Muhhommad Rafivddin, Atlantic publishers Distrubutars B- 2 Vishal Enclaves, New Delhi-27, 2002
12) Advanced Educational Psychology Dr.R.N.Sharma, Dr.R.K.Sharma, New Delhi, 2007

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - I)

प्रथम **सत्र**

Major Elective Course No:1, Skill Based

प्रश्नपत्र - 6

DSC-I.1-Tutorial

साहित्यिक क्षेत्र का अनुवाद

विषय सांकेतांक - TH17

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र अनुवाद क्षमता का अर्थ समझेंगे।
2. छात्र अनुवाद भाषा कौशल का मूल्यांकन करेंगे।
3. छात्र एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करेंगे।
4. छात्र अनुवाद के महत्त्व को समझेंगे।
5. छात्र एक पेशेवर अनुवादक बनने के लिए आवश्यक कौशल को प्राप्त करेंगे।

गतिविधि -

1. छात्र अंग्रेजी से हिंदी में गद्यानुवाद / पद्यानुवाद करेंगे।
2. छात्र मराठी से हिंदी में गद्यानुवाद / पद्यानुवाद करेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	1:- अनुवाद:अर्थ और अवधारणा 1.1 साहित्यिक और साहित्येतर क्षेत्र के अनुवाद में अंतर **1.2** तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद	15 तासिकाएँ
इकाई **2**	2:- साहित्यिक विधा के आधार पर अनुवाद **2.1** कथानुवाद **2.2** नाटकानुवाद **2.3** काव्यानुवाद **2.4** अन्य गद्य विधाओं का अनुवाद	15 तासिकाएँ

अ.क्र.	**लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण**	**मौखिक परीक्षा**	**कुल गुण**
1	**25**	**25**	50

संदर्भग्रंथ :-

1) हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद- रस्तोगी आलोक कुमार - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6, 2001

2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - सराफ मनोहर, गोस्वामी शिवाकरण, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर, 1998

3) अनुवाद विज्ञान - तिवारी भोलानाथ - शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली, 2007

4) अनुवाद भाषाएँ - विश्वनाथ समस्याएँ - एन.ई. अमरज्ञान गंगा-चावडी बाजार, दिल्ली, 2003

5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - गुप्त अवधेश मोहन - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1997

6) अनुवाद प्रक्रिया - पालीवाल रीतारानी - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32, 1993

7)	अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण - हरिमोहन - तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली-2, 1997

8)	अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप -मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6, 2001

9)	अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1, 2004

10)	अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002

11)	अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा -सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2006

12)	अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32, 2005

13)	साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

(Faculty: Humanities)

Session : 2023-24

भाग- ब (Part- B)

वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) पाठयक्रम: एम.ए. अनुवाद हिंदी (एनईपी)

द्वितीय सत्र (Semester- II)

Sr. No.	Subject	Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Credits
1	DSC-I.2	TH18	अनुवाद विज्ञान	60 तासिकाएँ	4
2	DSC-II.2	TH19	स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा	60 तासिकाएँ	4
3	DSC-III.2	TH20	हिंदी भाषा तथा साहित्य का स्वरूप एवं विकास	60 तासिकाएँ	4
4	DSE-II.A	TH21	प्रयोजनमूलक हिंदी	60 तासिकाएँ	4
	DSE-II.B	TH22	भाषा शिक्षण		
5	DSC-I.2 Tutorial	TH23	साहित्येत्तर क्षेत्र में अनुवाद	30 तासिकाएँ	2
6	On job Traning,Apprenticeship,Field Projects	TH24	पाठयक्रम से संबंधित सेवाधीन प्रशिक्षण सेवानुभव क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प)	120 तासिकाएँ	----
					22

Note: - Choose any one from DSE I & DSE II paper/course.

सूचना :-

1. DSC अनिवार्य रहेंगे।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र हैं।
3. DSC-I.2-Tutorial द्वितीय सत्र के लिए रहेंगा जिसमें छात्र पाठ्यक्रमानुसार अनुवाद कार्य पूर्ण करेंगे।
4. छात्र को सत्र I और II के अवकाश के काल में कूल 120 तासिकाएँ पाठ्यक्रम से संबंधित सेवाधीन प्रशिक्षण सेवानुभव क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प) पूर्ण करना अनिवार्य होगा। यह कार्य पूर्ण होनेपर ही 4 श्रेयांक मिलेंगे।

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - 1

DSC-I.2

अनुवाद विज्ञान

विषय सांकेतांक - TH18

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र अनुवाद के विभिन्न प्रकारों से अवगत होगा।
2. छात्र अनुवाद के विभिन्न प्रकारों के अंतर को स्पष्ट कर सकेंगा।
3. छात्र पाठ के आधार पर अनुवाद के प्रकारों का अनुप्रयोग करने में सक्षम होगा।
4. छात्र आशु अनुवाद और मशीनी अनुवाद की संकल्पना से अनुवाद के कार्य को विश्लेषित करेंगें।
5. छात्र कोशों का वर्गीकरण कर, क्षेत्रानुसार कोश के प्रयोग निर्धारित करेंगें।
6. छात्र अनुवाद का पुन:रीक्षण, संपादन,मूल्यांकन करने में सक्षम होगा एवं छात्र अनुवाद की समीक्षा कर सकेंगा।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	अनुवाद के प्रकार - (1) माध्यम के आधार पर - 1) अन्त: भाषिक अनुवाद (अन्वयान्तर) 2) अन्तर भाषिक अनुवाद (भाषान्तर) 3) अन्तर प्रतीकात्मक अनुवाद (प्रतीकान्तर) 4) लिप्यंकन तथा लिप्यंतरण	12 तासिकाएँ
इकाई 2	पाठ के आधार पर - पूर्ण अनुवाद तथा आंशिक अनुवाद, सारानुवाद, शब्द प्रतिशब्द अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद	12 तासिकाएँ
इकाई 3	(1) आशु अनुवाद (2) मशीनी अनुवाद (3) अनुवादक के गुण	12 तासिकाएँ
इकाई 4	अनुवाद के साधन - उपकरण शब्दकोश - एक भाषिक, द्विभाषिक, बहुभाषिक, पारिभाषिक, पारिभाषिक, शब्दावली, थिसारस (पर्यायकोश) विश्वकोश, ज्ञानकोश, अन्तर्कथाकोश, कम्प्यूटर तथा कम्प्यूटर कोश, व्याकरण ग्रंथ.	12 तासिकाएँ
इकाई 5	कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएं अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन तथा समीक्षा	12 तासिकाएँ

सूचना :-
1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.
2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूतरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.
3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन

1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x12 = 36
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 = 20
3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	14x1 = 14
		--------------------
		70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन

4) सारानुवाद (संक्षिप्त अनुवाद) - प्रायोगिक कार्य	10 अंक
5) प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ क्षेत्रानुसार - प्रायोगिक कार्य	10 अंक
6) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	-----------------
	30 अंक

कुल अंक- 100

संदर्भग्रंथ :-

1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.1998

2) हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद- रस्तोगी आलोक कुमार - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6, 2001

3) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - सराफ मनोहर, गोस्वामी,शिवाकरण विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर,कानपूर, 2002

4) अनुवाद विज्ञान - तिवारी भोलानाथ - शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली, 1997

5) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - विश्वनाथ एन.ई., अमरज्ञान गंगा प्रकाशन, चावडी बाजार, दिल्ली, 2004

6) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - गुप्त अवधेश मोहन, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 2007

7) अनुवाद प्रक्रिया - पालीवाल रीतारानी - साहित्य प्रकाशन, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32, 2000

8) अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण - हरिमोहन - तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली-2, 1999

9) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप -मनोहर तथा गोस्वामी शिवाकान्त, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6, 2002

10) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- गोपीनाथ जी. - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1, 2008

11) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2001

12) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा -सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2010

13) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, गोस्वामी कृष्णकुमार, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32, 2016

14) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ संकेत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2003

15) काव्यानुवाद की समस्याएँ एवं साहित्य का अनुवाद - तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र - शब्दाकार दिल्ली- 32, 2011

16) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ, गोस्वामी कृष्णकुमार, गुलाटी अजीतलाल आलेख प्रकाशन दिल्ली-32, 2017

17) राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएँ - बुधोलिया हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली - 110002, 2008

18) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ-शब्दकार प्रकाशन दिल्ली-12, 2003

19) बैंको में अनुवाद प्रविधि - पादन सीता कुचिंत - भारतीय अनुवाद परिषद नई दिल्ली-1,2004

20) पारिभाषिक शब्दावली कुछ समस्याएँ - तिवारी भोलानाथ - महेन्द्र चतुर्वेदी शब्दकार-दिल्ली-12, 1996

21) अनुवाद क्या है - राजूरकर भ.ह., राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2005

22) अनुवाद विज्ञान, सिध्दांत और अनुप्रयोग - नगेंद्र, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली -1, 2007

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: **वाङ्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र**

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - 2

DSC-II.2

स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा

विषय सांकेतांक - TH19

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. शब्द तथा रुप निर्माण का संरचनागत सविस्तार तथा सोदाहरण के माध्यम से ज्ञान प्राप्त होगा।
2. अर्थ विज्ञान के विभिन्न स्तरों का वर्गीकृत अध्ययन के उपरांत अर्थ निश्चयन के बिदु तथा शब्द शक्तियों के प्रयोग विधि कार्य में छात्र निष्णात होंगे।
3. हिन्दी में व्युत्पादन की प्रक्रिया तथा व्युत्पादन के साधन और उपसर्ग-प्रत्यय का समग्र ज्ञान प्राप्त कर, छात्रों की शब्दों के चयन संबंधित अवधारणा परिपक्व होकर, प्रयोग विधि अंतर्गत शब्द का प्रयोग कैसे किया जाय, इसमें प्रवीण होंगे।
4. अंग्रेजी-हिंदी व्यतिरेकी विश्लेषण के माध्यम से छात्रों की शब्द चयन तथा शब्द प्रयोग संबंधित अवधारणा निश्चित होंगी।
5. सांस्कृतिक प्रतीकों का अनुवाद तथा अनुवाद में आने वाली समस्या को जानकर, उसे दूर करने में छात्रों का ज्ञान वृद्धिगत होंगा।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	रुप विज्ञान : शब्द से तात्पर्य, शब्द तथा पद, शब्द रुप- निर्माण रुप-रुपिम- संरुप, रुप से तात्पर्य, रुपिम, संरुप, मुक्त रुपिम, बद्ध रुपिम, शुन्य रुपिम, हिन्दी में रुप रचना व्युत्पादक और रुपसाधक प्रत्यय	12 तासिकाएँ
इकाई 2	अर्थ विज्ञान: अर्थ ज्ञान के विभिन्न स्तर, अर्थ निश्चयन के बिदु - स्थान, काल, संदर्भ वचन, शब्द शक्तियाँ - शब्द के संकेतार्थ, रचनार्थ, प्रयोगार्थ, सम्प्रृक्तार्थ, सहप्रयोगार्थ	12 तासिकाएँ
इकाई 3	हिन्दी में व्युत्पादन की प्रक्रिया: व्युत्पादन के साधन: उपसर्ग, प्रत्यय, समास, उपसर्ग से तात्पर्य, उपसर्गो का वर्गीकरण - तत्सम् , तद्भव , विदेशी, उपसर्गो के प्रकार्य, उपसर्गो के आधार पर शब्द निर्माण के कुछ प्रमुख बिंदु व्युत्पादन-अन्तर व्युत्पादन तथा अन्त:व्युत्पादन- प्रत्यय से तात्पर्य -हिन्दी के रुपसाधक और व्युत्पादक प्रत्यय, प्रत्ययों का वर्गीकरण :संस्कृत, हिन्दी, विदेशी, प्रकार्य की दृष्टि में प्रत्यय, प्रत्ययों के आधार पर शब्द निर्माण के कुछ प्रमुख बिंदु समास प्रक्रिया से शब्द निर्माण	12 तासिकाएँ
इकाई 4	व्यतिरेकी विश्लेषण : ध्वनि, शब्द, रुप, अर्थ और वाक्य के स्तर पर (सामान्य अध्ययन) अंग्रेजी व्यतिरेकी अभिव्यक्ति का अध्ययन, अंग्रेजी के कुछ विशिष्ट शब्द और पदबंध - यथा - About to, As, As it were, Barely, hardly, Scarcely, Beside-Besides, But, by, Dead, Deem,	12 तासिकाएँ

	Feel, Few-A Few, little A little Lately, One, Only, quite, Right, Since, While, Yet. अंग्रेजी की वृत्ति सूचक सहायक क्रियाएँ यथा- Can, Could, May, Might, Must, Ought. अंग्रेजी की व्यतिरेकी क्रियाएँ यथा - Smoke	
इकाई 5	प्रतीकान्तर और सांस्कृतिक विषय :- सांस्कृतिक प्रतीकों का अनुवाद, विभिन्न संस्कृतियों से अनुवाद, सामाजिक, - सांस्कृतिक प्रतीकों के अनुवाद की समस्याएँ, मुहावरे- लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ शब्द प्रतिस्थापन तथा आगत शब्द,शब्द प्रतिस्थापन के सामान्य नियम शब्द प्रतिस्थापन की विभिन्न शैलियाँ,हिन्दी में अन्य भाषाओं के आगत शब्द,अनुवाद में चयन का महत्व, अनुवाद और शैली	12 तासिकाएँ

सूचना – 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

अंक विभाजन -

(1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x12	= 36
(2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4	= 20
(3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	14x1	= 14
			70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन -

4) अंग्रेजी तथा हिंदी भाषिक सामग्री की अभिव्यक्ति का प्रायोगिक कार्य -	10 अंक
5) अंग्रेजी और हिंदी के वाक्य-विन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन -	10 अंक
6) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	--------------
	30 अंक
	कुल अंक - 100

संदर्भग्रंथ :-

1) अनुवाद विज्ञान - तिवारी भोलानाथ, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2011

2) भाषा विज्ञान - तिवारी भोलानाथ, अमन प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2014

3) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - बुंदेले शंकर

4) भाषा विज्ञान - बोरा सं.राजमल, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली-1, 2015

5) High school English grammer - Wren and martin, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली-1, 2013

6) शब्द ATR 01 BOOK 2, 3 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

7) हिन्दी भाषा - तिवारी भोलानाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली-1, 2017

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - 3

DSC- III.2

हिंदी भाषा तथा साहित्य का स्वरूप एवं विकास

विषय सांकेतांक - TH20

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. भक्तिकाल की विशेषताओं से परिचित होगें तथा भक्तिकालीन संत, सूफी, राम तथा कृष्ण काव्य को समझकर आत्मसात करेंगे।
2. रीतिकाल की प्रमुख काव्य धारा (रीतिबध्द, रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त) समझ कर आत्मसात करेंगे।
3. आधुनिक काल के विभिन्न काव्यधारा को समझ पायेगे तथा वर्गीकृत कर पाएंगे तथा आधुनिक काल के साहित्यकारों के विचारों को समझकर मूल्यांकन कर पायेंगे।
4. साहित्य के विविध विधाओं में रचनात्मक लेखन कार्य कर सकेंगे तथा मूलांकन करने में सक्षम होंगे।
5. आधुनिक काल के प्रमुख काव्यधारा से परिचित होंगे तथा काव्य रचनात्मक सृजन कार्य कर सकेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	भक्तिकाल :- प्रवृत्तियाँ, निर्गुण-सगुण (संत, सूफी, राम तथा कृष्ण काव्य) प्रमुख कृतियाँ और कृतिकार	12 तासिकाएँ
इकाई 2	रीतिकाल :- प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कृतियाँ और रचनाकार	12 तासिकाएँ
इकाई 3	आधुनिक काल :- नवजागरण और भारतेन्दु युग, आधुनिक हिंदी गद्य और कविता का विकास- छायावाद पूर्व, छायावाद युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन साहित्य.	12 तासिकाएँ
इकाई 4	प्रमुख विधाएँ :- (उपन्यास, नाटक, कहानी, निबंध, आलोचना आदि) प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ.	12 तासिकाएँ
इकाई 5	आधुनिक काव्य :- **1)** मैथिलीशरण गुप्त 'यशोधरा' के प्रथम तीन सर्ग (**1,11**) **2)** जयशंकर प्रसाद काव्यसंग्रह 'लहर' की निम्नलिखित कविताएँ **-** ○ मधुप गुनगुना कर कह जाता ○ उस दिन जब जीवन के पथ में ○ बीती विभावरी जाग री ○ अब जागो जीवन के प्रभात ○ वसुधा के अंचल पर ○ ओ री मानस की गहराई **4)** अज्ञेय के 'तारसप्तक की निम्नांकित पाँच कविताएँ **:-** ○ चरण पर धर चरण ○ मुक्ति ○ उषा-दर्शन ○ बावरा अहेरी ○ नदी के **द्विप**	12 तासिकाएँ

सूचना :- 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पाचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

3) पॉचवी इकाई से कुल 3 व्याख्या पूछी जायेगी, जिनमें से दो व्याख्या करना अनिवार्य होगा

4) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन -

1)	दीर्घोत्तरी प्रश्न	2x10 =20
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 =20
3)	व्याख्याएँ	2x**8** =1**6**
4)	वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	**14**x1 =**14**

		कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन -

(5) स्वयं/ अन्य की रचना का वाचन - कहानी,काव्य,नाटक	**10** अंक
(6) आधुनिक काव्य का व्याख्यात्मक लेखन- (पाँच कविताएँ)	1**0** अंक
(**7**) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	---------------
	30 अंक

कुल अंक - 100

संदर्भग्रंथ :-

1) मैथिलीशरण गुप्त 'यशोधरा' के प्रथम तीन सर्ग (**1,1,1**) (यशोधरा-श्री मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य-सदन, झाँसी (उ.प्र.)

2) जयशंकर प्रसाद 'लहर' (कविताए)

3) अज्ञेय - तारसप्तक, सरस्वती प्रकाशन, नई दिल्ली, 201**3**

4) हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी किताब महल, 22 ए, सरोजिनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2000

5) हिंदी साहित्य का इतिहास - नगेंद्र, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2009

6) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गुप्त गणपती चंद्र, सरस्वती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011

7) हिंदी साहित्य का इतिहास - शुक्ल रामचंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010

8) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2001

9) मैथिलीशरण गुप्त और उनके नारी पात्र (आलोचना) कुलकर्णी बालासाहेब, प्रकाशक- समय प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999

10) मैथिलीशरण गुप्त और यशोधरा (आलोचना) कुलकर्णी बाळासाहेब, प्रकाशक मेघा पब्लिशिंग हाऊस, अमरावती 2001

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाङ्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-II.A

प्रयोजनमूलक हिंदी

विषय सांकेतांक - TH21

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1) समाचार पत्र की सविस्तार जानकारी के साथ-साथ साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता, प्रेस प्रबंधन तथा प्रमुख प्रेस कानून एवं संचार संहिता के विषय में भी छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी।

2) विभिन्न जनसंचार माध्यम श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट का जानने के उपरांत इनकी प्रयोग विधि तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आनेवाली चुनौतियों से भी छात्र अवगत होगे।

3) लिखित, मौखिक, श्रव्य तथा दृश्य माध्यमों की भाषा, लेखन तथा प्रकृति को वर्गीकृत कर बतलाया गया है, जिसमें छात्र को विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

4) विभिन्न माध्यमों के तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में कौनसे माध्यम का चयन अधिक लाभाकारी है, यह बतलाते हुए दृश्य- श्राव्य माध्यम, फिल्म, टेलीविजन,वीडियो तथा उनकी भाषा की प्रकृति, सामग्री का सामंजस्य के साथ, भारत संघराज्य में द्वै-भाषिकता का जन्म, द्वैभाषिकता और अनुवाद की उपादेयता से भी छात्र अवगत होगे।

5) भाषा के आधुनिकीकरण के सविस्तार अध्ययन के उपरांत छात्र, आधुनिकीकरण और अनुवाद तथा मानकीकरण के महत्व का समझते हुए क्षेत्रानुरूप अनुवाद के संदर्भ में प्रयुक्ति का चयन कर, विश्लेषित करने में निष्णात होंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	पत्रकारिता - शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक- संपादन संपादकीय - लेखन – पृष्ठ-सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन - प्रमुख प्रेस कानून एवं संचार संहिता	12 तासिकाएँ
इकाई 2	मीडिया लेखन- जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरुप-मुद्रण- श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट	12 तासिकाएँ
इकाई **3**	श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडिओ नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज, इंटरनेट - समाग्री सृजन (content creation) ,हिन्दी की संवैधानिक स्थिति	12 तासिकाएँ
इकाई **4**	दृश्य- श्राव्य माध्यम. फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो, दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पाश्र्व वाचन (वायस ओवर) पटकथा लेखन. टेलीड्रामा, डॉक्यू-ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपांतरण, विज्ञापन की भाषा भारत संघराज्य में द्वै-भाषिकता का जन्म, द्वैभाषिकता तथा अनुवाद	12 तासिकाएँ
इकाई 5	भाषा के आधुनिकीकरण से तात्पर्य प्रमुख अभिलक्षण, आधुनिकीकरण और अनुवाद, मानकीकरण,प्रयुक्ति का अर्थ, उसके सामान्य लक्षण, प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र, अनुवाद के संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता, हिन्दी की प्रयुक्ति का चयन और विश्लेषण	12 तासिकाएँ

सूचना - 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा.

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा.

अंक विभाजन -

1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x12 = 36
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 = 20
3)	वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	14x1 = 14

		कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन

1) पत्रकारिता के क्षेत्र की जानकारी	10 अंक
2) मीडिया से संबंधित सामग्री-लेखन	10 अंक
3) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	------------
	30 अंक

कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010

2) प्रयोजनमूलक भाषा - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008

3) प्रयोजनमूलक भाषा -गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013

4) प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011

5) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता - गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015

6) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेंद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली

7) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017

8) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- बुंदेले शंकर, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

DSE-II.B

भाषा शिक्षण

विषय सांकेतांक - TH22

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. भाषा- शिक्षण और अभिरचना अभ्यास के आधारभूत सिद्धांत का अध्ययन कर, उसके महत्व को समझ सकेंगे।
2. द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी भाषा- शिक्षण के महत्व को समझ सकेंगे।
3. हिंदी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर, उसका भाषा शिक्षक के रूप में अनुप्रयोग करेंगे।
4. व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि विश्लेषण सिंद्धात से छात्र भाषा का सैद्धांतिक और विश्लेषणात्मक क्षेत्र स्पष्ट कर सकेंगे।
5. भाषा- शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियों का अध्ययन कर, भाषा का परीक्षण और मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. संरचनात्मक अभिरचना का निर्माण करने में सक्षम हो सकेंगे।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	भाषा-शिक्षण और अभिरचना-अभ्यास : आधारभूत सिध्दांत और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ	12 तासिकाएँ
इकाई **2**	व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि – विश्लेषण- आधारभूत सिध्दांत और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात, व्यतिरेकी विश्लेषण की प्रक्रिया, व्यतिरेकी विश्लेषण सार्थकता और सीमाएँ	12 तासिकाएँ
इकाई **3**	त्रुटि-विश्लेषण-आधारभूत-सिध्दांत और मान्यताएँ, त्रुटियों के स्त्रोत-अंतर भाषा की अवधारणा, शिक्षार्थी व्याकरण की संकल्पना और त्रुटि-विश्लेषण, त्रुटि विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ	12 तासिकाएँ
इकाई 4	भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन, भाषा-शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियाँ,	12 तासिकाएँ
इकाई 5	द्वितीय और विदेशी भाषा के रुप में हिंदी भाषा –शिक्षण, हिंदी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण	12 तासिकाएँ

सूचना - 1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) पांचों इकाई से कुल 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

3) संपूर्ण पाठयक्रम से 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

अंक विभाजन (प्रथम सत्र)

1)	आलोचनात्मक प्रश्न	3x12 = 36
2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4 = 20
3)	वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	14x1 = 14

		कुल अंक 70

आंतरिक मूल्यांकन -

1) कक्षा में पाठयोजना का प्रस्तुतीकरण।	10 अंक
2) हिंदी भाषा शुद्ध-लेखन।	10 अंक
3) विभागीय जाँच परीक्षा	10 अंक
	-----------
	30 अंक

कुल अंक 100

संदर्भग्रंथ :-

1) भाषा 1, 2 की शिक्षण विधियां और पाठ नियोजन - शर्मा लक्ष्मीनारायण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-2, 2009
2) हिन्दी की अध्यापन पध्दति - केणी सं.रा, कुलकर्णी ह.कृ.., व्हीनस प्रकाशन, 'तपश्चर्या' 381 क्र. शनिवार, पुणे-30, 2007
3) शैक्षिक मूल्यांकन- वर्मा एम. पाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-2, अमन प्रकाशन, दिल्ली, 2010
4) सफल शिक्षण कला-पाठक एवं त्यागी, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा-2, ज्ञानोदय प्रकाशन, आगरा,2015
5) भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ - पाठक पी.डी., विनोद पुस्तक मंदिर आग्रा-2, 2006
6) तुलनात्मक अध्ययन -स्वरुप और समस्याएँ- सं.भ.ह.राजूरकर, राजमल बोरा वाणि प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2011
7) शिक्षा-मनोविज्ञान- भटकर सुरेश, मेरठ पब्लिशिंग हाऊस, बेगम ब्रिाज रोड, निकट गवर्नमेंट कॉलेज मेरठ-1, 2015
8) हिंदी विषय ज्ञान - पठान सौ.नसीमा, काळे सुभद्रादेवी अर्जुनराव 144-ए, सोनमार्ग आसरा हॉसिंग सोसायटी, सोलापूर-3, 2013
9) हिंदी भाषा शिक्षण- जीत भाई योगेद्र, विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेय राघव रोड, आगरा-2, 2009
10) शिक्षण अधिगम के मूल तत्व- यादव जयंत, एस.ओबेराय प्रकाशन, सुखपाल गुप्त, आर्य बुक डेपो, 30 नाईवाला, करोलबाग, नई दिल्ली-5, 2016
13) Principles of Education- Muhhommad Rafivddin, Atlantic publishers Distrubutars B- 2 Vishal Enclaves, New Delhi-27, 2002
14) Advanced Educational Psychology Dr.R.N.Sharma, Dr.R.K.Sharma, New Delhi, 2007

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi First Year (Semester - II)

द्वितीय सत्र

Major Elective Course No:1, Skill Based

प्रश्नपत्र - 5

DSC-I.2 Tutorial

साहित्येत्तर क्षेत्र में अनुवाद

विषय सांकेतांक - TH23

प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos) :-

1. छात्र साहित्येतर अनुवाद का महत्व समझेंगे।
2. अनुवाद के संदर्भ में जनसंचार माधमों का अध्ययन करेंगे।
3. सिनेमा डबिंग का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. अंग्रेजी, हिंदी, मराठी में सिनेमा डबिंग का प्रयोग करेंगे।
5. सिनेमा डबिंग के अनुवाद एवं अध्ययन से रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

गतिविधि :-

1. छात्र अंग्रेजी से हिंदी में सिनेमा डबिंग करना।
2. छात्र मराठी से हिंदी में सिनेमा डबिंग करना।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	1. साहित्येत्तर अनुवाद महत्त्व 2. साहित्येत्तर क्षेत्र का परिचय 3. साहित्येत्तर क्षेत्र में जनसंचार 4. जनसंचार का अर्थ, परिभाषा, माध्यम 5. जनसंचार माध्यमों हिंदी भाषा की उपयोगिता	12 तासिकाएँ
इकाई **2**	1. जनसंचार में सिनेमा डबिंग 1.1 सिनेमा डबिंग का अर्थ,अनुवाद, उच्चारण, परिभाषा, 1.2 हिंदी डबिंग का विस्तृत विवरण 1.3 डबिंग के उदाहरण और वाचन 1.4 डबिंग के रायमिंग शब्द 1.5 अंग्रेजी, मराठी, हिंदी का डबिंग अनुवाद 1.6 बॉलीवुड फिल्म में डबिंग की भूमिका,रोजगार	12 तासिकाएँ

अ.क्र.	**लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण**	**मौखिक परीक्षा**	**कुल गुण**
1	**25**	**25**	50

संदर्भग्रंथ :-

1) काव्यानुवाद की समस्याएँ एवं साहित्य का अनुवाद- विश्वनाथ अय्यर, लोकप्रभा प्रकाशन, इलाहबाद, 2012
2) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010
3) प्रयोजनमूलक भाषा - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008
4) प्रयोजनमूलक भाषा -गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013
5) प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011
6) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता - गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015
7) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
8) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017
9) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- बुंदेले शंकर, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

Session : 2023-24

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर अभ्यासक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. (अनुवाद हिंदी) प्रथम और द्वितीय सत्र

Syllabus: Programme : M.A. Translation Hindi (Semester - I & II)

On Job Traning, Apprentice Ship, Field Projects

अ.क्र.	प्रकार	स्वरूप	तासिकाएँ	श्रेयांक
	सेवाधीन प्रशिक्षण (On Job Traning) **सेवानुभव** (Internship/ Apprentice Ship)	1. विविध संस्था - कार्यालयों जैसे समाचार पत्र, आकाशवाणी, टीव्ही चँनल्स, जनसंपर्क कार्यालय, प्रकाशन संस्था, साहित्य विषयक संस्था आदि में हिंदी विषयक लेखन सेवा देना या लेखन संपादन अथवा अनुवाद आदि विषयक कार्य का अनुभव लेना। 2. विविध ग्रंथालय, अनुसंधानमंडल या अध्यासन के लिए ग्रंथसूची /लेखसूची आदि प्रकार के कार्य का अनुभव लेना। 3. साहित्यकार के अधीनस्थ लेखन कार्य करना। 4. शोधार्थी/अभ्यार्थी हेतू अभिवाचक के रूप में सेवा देना। 5. अनुवाद प्रकिया में सहभागी होना। 6. विषय सामग्री के संगणकीकरण कार्य में सेवा देना।	120	4
	क्षेत्र परियोजना (**प्रकल्प**) (Field Projects)	साहित्य/अनुवाद विषयक प्रश्नपत्र के अनुसार क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प) पूर्ण करना। उदा.- 1. शालेय / महाविद्यालयीन छात्रों का हिंदी भाषा से संबंधित क्षमता का परीक्षण कर, प्रस्तुत करना। 2. हिंदी पर अन्य भाषा के परिणाम का अनुसंधान कर, प्रस्तुत करना। 3. हिंदी लेखक और उनके साहित्य सामग्री संबंधित जानकारी संकलित कर प्रस्तुत करना। 4. वार्षिक प्रकाशित साहित्य- कोश/सूची तैयार कर, प्रस्तुत करना। 5. कहावतें / मुहावरों संबंधित सामग्री को एकत्रित कर, प्रस्तुत करना। 6. अनूदित साहित्य की जानकारी संकलित कर, प्रस्तुत करना। 7. डबिंग फिल्म साहित्य संबंधित जानकारी एकत्रित कर, प्रस्तुत करना। 8. मराठी अनूदित साहित्य की जानकारी संकलित कर, प्रस्तुत करना। 9. विविध विषयों के कोश से संबधित जानकारी को संकलित कर, प्रस्तुत करना। 10. लोक-कथा तथा लोक-गीत का संकलन कर, प्रस्तुत करना।		

सूचना :

1. छात्र को सत्र I और II के अवकाश के काल में कूल 120 तासिकाएँ पाठ्यक्रम से संबंधित सेवाधीन प्रशिक्षण सेवानुभव क्षेत्र परियोजना (प्रकल्प) पूर्ण करना अनिवार्य होगा। यह कार्य पूर्ण होनेपर ही 4 श्रेयांक मिलेंगे।